साप्ताहिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

महत्वपूर्ण एवं खास

सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन 4 मई को

रायपुर, (आरएनएस)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन बोलबम समिति भवन में महादेवघाट रायपुरा में 4 मई को सुबह 8 बजे आयोजित किया जायेगा। संघ के प्रातांध्यक्ष ललित मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने विप्रजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपनयन के लिए अपने बटुकों को रायपुरा स्थित भवन में लाने की अपील की है।

यात्री बस और ट्रक में भिड़ंत , दर्जन भर यात्री घायल

जशपुर,(आरएनएस)। बिलासपुर से जशपुर चलने वाली राजहंस यात्री बस और ट्रक में भिंडत होने से बस में सवार दर्जनभर यात्री घायल हो गए घटना हाटी व धरमजयगढ़ के बीच बेहरामार की है बताया जाता है कि लगभग 01:30 बजे मध्यरात्रि बस तेज गति में अपने गंतव्य की ओर आ रही थी, तभी बेहरामार के समीप एक तेज गति ट्रक से दुर्घटनाग्रस्त हो गई। राजहंस बस में जशपुर, पत्थलगांव, कुनकुरी, कांसाबेल समेत पूरे जिले भर से सवारी मौजूद थे इसकी वजह से दुर्घटना की खबर सुनते ही जिले भर के लोगों द्वारा सुबह से ही बस में सवार लोगों की हाल चाल पूछने घटना स्थल पहुँचे। बस और ट्रक ड्रायवर दोनों ही फरार हो गए है।

युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला, भर्ती

मोवा शराब दुकान के पास की घटना

रायपुर, (आरएनएस)। मोवा पंडरी स्थित शराब दुकान के पास मंगलवार रात को एक आरोपी युवक ने एक अन्य युवक के पेट पर चाकू मारकर फरार हो गया। घटना के बाद घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 7.30 बजे मोवा शराब दुकान के पास प्रार्थी शिवप्रसाद वर्मा पिता बिसरूराम 34 वर्ष निवासी कुंडाटेकारी मंदिरहसौद को आरोपी विकास साहू पिता यशवंत 25 वर्ष निवासी टेकारी मांढर विधानसभा रायपुर ने किसी बात पर विवाद करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू प्रार्थी के पेट पर मारा है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। इधर घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी पतासाजी कर रही है।

मजदूर दिवस मनाने की श्रमिक संगठन कर रहे तैयारियां, मई दिवस 1 को

रायपुर, (आरएनएस)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर विभिन्न मजदूर संगठन मजदूर दिवस 1 मई को मनाये जाने की तैयारियां जोर शोर से कर रहे है। माकपा के पदाधिकारी धर्मराज महापात्र ने बताया कि प्रथम विश्व युध्द से पहले यूरोप में आई आर्थिक मंदी के चलते कुछ श्रमिकों ने 1 मई को ही धरना प्रदर्शन कर तत्कालीन सरकारों से अपना हक मांगा था। तब से मई दिवस 1 मई को मनाया जाता है। माकपा, ईटुक, भाकपा, भारत नव जवान पार्टी, छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा, छत्तीसगढ़ श्रमिक मोर्चा, अखिल भारतीय, मजदूर सभा एवं विभिन्न शासकीय अशासकीय संगठनों द्वारा 1 मई को धरना स्थल बुढ़ापारा एवं ईदगाह भाठा मैदान में सभा एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा। साथ ही केन्द्र सरकार से श्रमिक विरोधी नीतियों को त्याग कर उनसे अपने अधिकार का हिस्सा मांगा जायेगा।

61 पाव देशी-विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। मुजगहन थाना पुलिस ने मंगलवार की रात को अपने थाना क्षेत्र में सलोनी गोठान के पास दो युवकों को देशी-विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों में गोवर्धन बघेल पिता सुकालू बघेल 47 वर्ष निवासी सलोनी 31 पाव अंग्रेजी शराब तथा शत्रुहन नौरंग पिता सोनु 50 वर्ष निवासी सलोनी से 30 पाव देशी शराब बरामद किया है। पुलिस दोनों के खिलाफ धारा 34-2 आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

राज्यपाल से पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष ने की सौजन्य भेंट

रायपुर, , (आरएनएस)। राज्यपाल बलरामजी दास टंडन से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नारायण चंदेल ने सौजन्य मुलाकात की।

राज्यपाल से ब्रिगेडियर एस.एस. धाड़वाल ने की सौजन्य भेंट

रायपुर,(आरएनएस)। राज्यपाल श्री बलरामजी दास टंडन से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ एवं ओड़िशा सब एरिया के कमांडर, ब्रिगेडियर एस.एस. धाड़वाल ने सौजन्य मुलाकात की।

राजनीतिः वाणी राव की वापसी के कई मायने

बिलासपुर, (आरएनएस)। पूर्व मेयर वाणी राव और चिरमिरी के मेयर डमरू रेड्डी के कांग्रेस में पुनः प्रवेश को लेकर बिलासपुर की राजनीति उफान पर है। प्रदेश आलाकमान के दिग्गज नेताओं को छोड़ सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया के माध्यम से कांग्रेस में वापसी के कई मायने हो सकते है पहला तो ये की इसे जोगी कांग्रेस को तगड़े झटके के रूप में देखा जा सकता है क्यो की एक परिपक्व नेत्री उनकी पार्टी से कम हुई , तो वहीं दूसरी तरफ अपने राजनैतिक कैरियर को बचाना है क्या की जोगी कांग्रेस में जाने के बाद श्रीमती वाणी राव सक्रिय राजनीति से बिल्कुल अलग मानी जा रही थी साथ ही उनकी पूछ परख भी कम हो गई थी प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नई टीम बनने के पहले से ही वो प्रदेश आलाकमान सम्पर्क में थी । उन्होंने ये भी कहा है कि वो टिकट के लिए नही बल्कि पार्टी को मजबूती प्रदान करने वापस आयीं है उनका मानना है कि उनके जाने से केवल भाजपा ही मजबूत हुई है। बिलासपुर शहर में कांग्रेस की सक्रिय राजनीति से एकाएक जनता कॉंग्रेस जे के कुनबे में शामिल हुई श्रीमती वाणी के कांग्रेस में पार्टी हाईकमान के जरिये वापस होने के घटनाक्रम को लेकर पूरे शहर के राजनैतिक गलियारों में चर्चाओ का बाजार गर्म है ।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस : ग्राम पंचायतों में सुना गया प्रधानमंत्री का उद्बोधन

रायपुर, (आरएनएस)। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाईव संबोधन दूरदर्शन एवं रेडियो के माध्यम से जिले के ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों के साथ-साथ ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सुना। राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर प्रधानमंत्री मध्यप्रदेश के मंडला जिले के रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे गांव के लिए कुछ करने का संकल्प लें। सभी जनप्रतिनिधि गांव के विकास का संकल्प लें और यह कोशिश करें कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ गांव और ग्रामीणों को मिले। जिन लोगों को पंचायत के जरिए गांव की सेवा करने का अवसर मिला है, उन्हें तय करना चाहिए कि कुछ न कुछ ऐसा कर जाएंगे, जो वर्षों तक याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनधन, वनधन और गोबरधन से हम ग्रामीण जीवन में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि गांव का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। उन्होंने गांवों में सड़क, स्वास्थ्य सुविधा, स्टॉपडैम, पानी की उपलब्धता, रोजगार एवं बिजली जैसे क्षेत्रों में व्यवस्थित तरीके से काम करने पर जो दिया और कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य है।

उइके ने सीएम पद की दावेदारी ठोंकी

कोरबा (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व आदिवासी नेता रामदयाल उइके ने भी सीएम की कुर्सी पर दावेदारी ठोंक दी है। पाली-तानाखार के विधायक उइके ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि आदिवासी कार्ड चला तो मैं भी सीएम पद का दावेदार हूं। उन्होंने यह भी कहा है कि सिंहदेव ही नहीं, दावेदारी करने का अकिार सभी को है। मंगलवार को पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों के साथ कलेक्टोरेट पहुंचे विधायक उइके ने कहा कि यदि प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री पर विचार किया गया, तो मैं सबसे बड़ा दावेदार हूं। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने दोहराया कि इसमें कोई शक नहीं, यदि आदिवासी कार्ड चला तो मुख्यमंत्री पद का मैं सशक्त दावेदार हूं। नेता प्रतिपक्ष सिंहदेव भी दावेदारी कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि दावेदारी सभी कर सकते हैं। पीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के पहले भी उइके ने आदिवासी मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठाई थी। साथ ही इसे लेकर अपने ही पार्टी को कटघरे में खड़ा किया था, उस वक्त भी प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया को सफाई देनी पड़ी थी। गौरतलब है कि कांग्रेस सत्ता में आएगी या नहीं, यह अभी तय नहीं है, लेकिन पार्टी में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर घमासान अभी से शुरू हो गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी के बयान के बाद शुरू हुआ बयानबाजी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है।

डी.पी.एड. पाठ्य म में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा (आरएनएस)। शिक्षा सत् 2018-19 में शासकीय महिला शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय पेन्ड्रा जिला बिलासपुर में डी.पी.एड. पाठ्क्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के अन्तर्गत शासकीय स्कूलों में कार्यरत इच्छुक नियमित सहायक शिक्षकों/व्यायाम शिक्षकों/शिक्षाकर्मी वर्ग-3 (विभागीय उम्मीद्वार) निर्धारित प्रारूप में भरे गये आवेदन पत्र अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा में 15 मई 2018 तक जमा कर सकते हैं। स्वाध्यायी उम्मीदवार 31 मई 2018 तक शासकीय महिला शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण महाविद्यालय पेन्ड्रा जिला बिलासपुर में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

सत्ता की लालसा में कांग्रेस में शुरू हुई सिर फुटौव्वल : कौशिक

रायपुर, 25 अप्रैल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रामदयाल उईके द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद पर अपनी दावेदारी घोषित किये जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह तो वही बात हुई कि सूत न कपास और जुलाहों में लट्ठम-लठ। अपने अस्तित्व को बचाये रखने हेतु संघर्षरत कांग्रेस द्वारा यह सपना देखना कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में वह सत्ता में वापसी कर सकती है एक दिवा स्वप्न की तरह है। विगत 14 वर्षों में भाजपा ने डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास के कीर्तिमान स्थापित करते हुए, छत्तीसगढ़ को जो कांग्रेस के ढाई वर्षों के कुशासन में बीमारू राज्य था उसे विकास की दौड़ में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर दिया है तथा जनता ने अभी से अपना मन बना लिया है कि वह चौथी बार भी भारतीय जनता पार्टी को और विशाल बहुमत से विजयी बनाएगी। कौशिक ने कहा कि दरअसल कांग्रेस के नेताओं को यह अच्छी तरह से ज्ञात है कि जनता उन्हें पूरी तरह नकार चुकी है और आगामी चुनाव में उनकी और भी अधिक दुर्गति होने वाली है। अपने मुट्ठी भर समर्थकों के बीच में अपनी साख बनाये रखने के लिए उनके नेतागण जिसमें भूपेश बघेल, टी.एस. सिंहदेव और चरणदास महंत के बाद अब रामदयाल उईके की मुख्यमंत्री की दावेदारी उनकी राजनीतिक मजबूरी से अधिक कुछ भी नहीं है। कौशिक ने कहा कि आने वाले दिनों में इसी तरह मुंगेरी लाल के सपने देखने वाले कुछ और कांग्रेसी नेताओं से जनता का साक्षात्कार होने वाला है ।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

1- नंद वंश के विनाश करने में चन्द्रगुप्त मौर्य ने कश्मीर के राजा पर्वतक से सहयता प्राप्त की थी ।

2- मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था । इसकी हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 185 ईसा पूर्व में कर दी और मगध पर शुग वंश की नींव डाली ।

3- मौर्य शासन 137 वर्षो तक रहा । भागवत पुराण के अनुसार मौर्य वंश में दस राजा हुए जबकि बायुपुराण के अनुसार नौ राजा पर्वतक से सहायता प्राप्त की थी

4- पुष्यमित्र शुंग जिसने मगध पर शुंग वंश की नींव डाली ब्राहाण जामि का था ।

5- शुंग शासकों ने अपनी राजधानी विदिशा में स्थापित की ।

6- इण्डो यूनानी शासक मिनांडर को पुष्यमित्र शुंग ने पराजित किया ।

7- पुष्यमित्र शुंग ने दो बार अश्वमेध यज्ञ किया । इनके लिए पतंजलि ने अश्वमेध यज्ञ कराए ।

8- भरहमत स्तूप का निर्माण पुष्यकमत्र शुंग ने करवाया ।

9- शुंग वंश का अंतिम शासक देवभमति था इसकी हत्या 73 ईसा पूर्व में वासुदेव ने कर दी और मगध की गद्दी पर कण्व वंश की स्थापना की ।

10-कण्व वंश का अंतिम राजा सुशर्मा हुआ ।

11- शिमुक ने 60 ईसा पूर्व में सुशर्मा की हत्या कर दी और सातवाहन वंश की स्थापना की ।

12- सातवाहन शासकों ने अपनी राजधानी प्रतिष्ठान में स्थापित की ।

13- सातवाहन वंश के प्रमुख शासका थे सिमुक शातकर्णी गौतमीपुत्र शातककर्णी वशिष्ठीपुत्र पुलुमावी तथा एक राजसूय यज्ञश्री शातकर्णी ।

14- शकतकर्णी ने दो अवश्मेंध तथा एक राजसूया यज्ञ किया ।

15- सातवाहन शासकों के समय के प्रसिद्ध साहित्यकार हाल एंव गुणाढ्य थे ।

16- हाल ने तथा गुणाढ्य ने बृहतकथा नामक पुस्तकों की रचना की ।

17- सातवाहन शासकों ने चॉदी तॉबे सीसा पोटीन और कॉसे की मुद्रओं का प्रचलन किया । सातवाहन अपना सिक्का ढालने में जिस सीसे का इस्तेमाल करते थे उसे रोसे मंगाया जाता था ।

18- ब्राम्हाणों को भूमि अनुदान दकने की प्रथा मका आरंभ सातवाहन शासकों ने ही सर्वप्रथम किया ।

19- यातवाहनों की राजकीय भाषा प्रकृत एवं लिपि ब्राही थी।

20- सातवाहन शासको ने ग्रामीण क्षेत्रो में प्रशासन को काम गौल्मिक को सैपा । गौल्मिक एक सेनिक टुकडी का प्रधान होता था तिसमें नौ रथ नौ हाथ्सी पच्ची स घोडें और पैतासलीस पैदल सैनिक होते थे ।

21- सातवाहनों की महत्वपूर्ण स्थापत्य कृतियॉ है कार्ले का चैत्य अतंता एंव एलोरा की गुफाओं का निर्माण एवं अमरावती ला का विकास । शातकर्णी एवं अन्य सभी सातवाहन शासक दक्षिणापथ के स्वामी कहे जाते थे ।

22- भारत पर आक्रमण करनेवाले विदेशी आक्रमणकारियों का क्रम है यूनानी - शक- पहलव- कुषाण ।

23- सेल्युकस के द्वारा स्थापित पश्चिमी तथा मध्य एशिया के विशाल साम्राज्य को इसके उत्राधिकारी एन्टिओकस प्रशम ने अक्षुण्ण बनाए रखा ।

24- एन्टिओकस के शासनकाल में विद्रोह के फलस्वरूप उसके अनक प्रांत स्वतंत्र हो गए ।

25- बैक्ट्रिया के विद्रोह का नेतृत्व डिमेट्रियस प्रथम के साथ इन राजाओं ने क्रमशः शासन किया डियोडोब्स यूथिडेमस् डेमिट्रियस मिनाण्डर युक्रेटाइडस एण्टी आलकीडस तथा हर्मक्स ।

26- भारत में सबसे पहले हमिन्द युनानियों ने ही सोने सिक्के जारी किये । हिन्द यूनानी शासकों ने भारत के पश्चिमोत्र सीमा प्रांत में यूनान

स्वास्थ्य

गर्मी के मौसम में इस तरह करें बादाम का सेवन, फायदे होंगे अनेक

कई लोग स्वस्थ रहने के लिए बादाम का सेवन करते है जिससे याददाश्त को स्ट्रांग होती है।लेकिन क्या आप जानते है इस गर्मी के मौसम में भी बादाम का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन ध्यान रहे इस मौसम में बादाम भिगों कर खाएंज्ञ क्योंकी इससे गर्मी के मौसमें में ऐसे बादाम का सेवन पेट में सूजन, बदहजमी और गैस जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता हैं। इसकी तासीर गर्म होने की वजह से ये समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके लिए जरूरी है इसे भिगौकर सेवन करें। जिससे अनेक फायदे मिलते है।इस गर्मी के मौसम बादाम का सेवन भीगोने के बाद करते हैं तो शरीर का बैड कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। अधिकांशत दिल से जुड़े रोग बैड कोलेस्ट्रॉल के कारण ही होते हैं। जिससे दिल के रोग को दूर करने में मदद मिलती है।कई लोगों की समस्या होती है कि उनका पाचन तंत्र साफ नहीं होता है। इसके लिए अगर अगर पाचन क्रिया खराब हैं तो बादाम को भीगोकर इसका सेवन करें। इसमें फ इबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं, जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ बना रहता है।

गर्मी के दिनों में लू से बचना है तो अपनाएं ये टिप्स

गर्मियों का मौसम आते ही गर्म हवाओं के साथ तापमान के बढ़ने से लू लगने का खतरा काफी बढ़ जाता है। क्योंकि इन दिनों हमारे शरीर में होने वाली पानी और नमक की कमी ही लू लगने का कारण बनती है। इस मौसम में थोड़ी सी असावधानी जीवन के लिए घातक हो सकती है। लू का शिकार न हों, इसके लिए सर्तक रहने की जरूरत हैं। गर्मी के मौसम में ऐसे लू से बचा जा सकता है। गर्मी के दिनों में घर से निकलने से पहले अच्छे से पानी पी लें। -भरपेट भोजन करके ही घर से निकलें -सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें। -धूप में निकलते समय अपना सिर ढ़कें इसके लिए छाता, टोपी, तौलिया आदि का प्रयोग करें। ओआरएस या घर में तैयार लस्सी, छांछ, नीबू पानी, आम का पन्ना आदि का नियमित सेवन करें। -लू लगने और ज्यादा गर्मी में शरीर पर घमौरियां हो जाती हैं। बेसन को पानी में घोलकर घमौरियों पर लगाने से फायदा होता है

पिंपल्स का कारण बनती हैं खाने की ये 2 चीजें

चेहरे पर मौजूद छोटा-सा पिंपल्स खूबसूरती को कम कर देता है। क्रीम्स और घरेलू नुस्खे अपनाने के बावजूद भी पिंपल्स की शिकायत बनी रहती है। अगर आपके भी चेहरे पर बार-बार मुंहासे होते हैं तो अपनी डाइट में कुछ बदलाव करें। सही डाइट को फॉलो कर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते है। एक शोध के मुताबिक पिंपल्स को कम करने के लिए कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन कम खाना चाहिए। अपनी डाइट में हरी सब्जियां और फलों को शामिल करें।

पिंपल्स होने के कारण

-तली हुई चीजों का अधिक सेवन करना

-गंदा तकिया

-गंदा हेयर बैंड

-चावल और दूध का अधिक सेवन

-उच्च वसा युक्त भोजन खाना

-पिंपल्स के लिए घरेलू नुस्खे

-खीरे को कद्दूकस करके चेहरे पर लगाएं।

-दिन में 8-10 गिलास पानी पीएं।

-दूध से चेहरे को साफ करें।

-जौटे के आटे में खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

-बिना चीनी के करेले और लौकी का जूस पीएं।